5000Rs

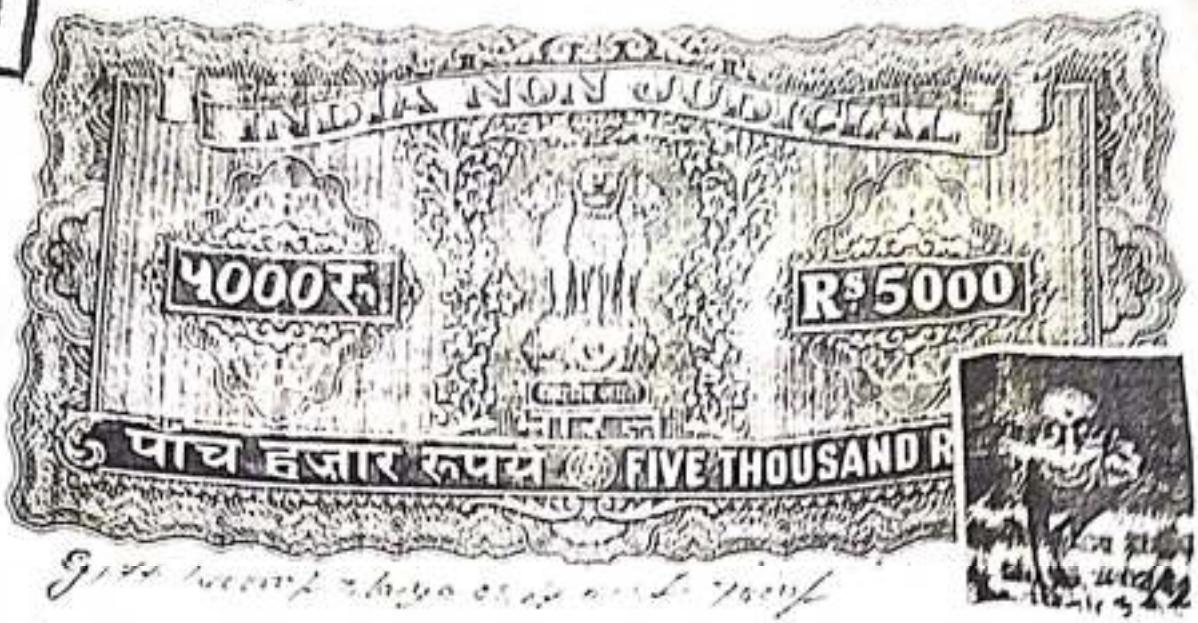

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND R

Albinc 3967 & 3968

लेख्यकारी:– श्रीमती गीता देवी, पति का नाम श्री विजय किशोर लाल, जाति–कायस्थ अम्बस्थ, पेशा–गृहणी, राष्ट्रीयता–भारतीय, निवास स्थान ग्राम–पथरोल, थाना कोरो, जिला सनथाल, परगना हाल मोकाम साकिन झुमरी तिलैया गाँधी हाई स्कूल रोड, वार्ड नं0 14 चौदह, पोस्ट झुमरी तिलैया, थाना तिलैया, प्रगना गुमो, सब रजिस्ट्री वो जिला रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा।

Ramdev yadav

गीता देवी

गवाह

813447

श्रीमती गीता देवी ... विनय कुमार लाल ...

श्री मती गीता देवी

विनय किशोर लाल

गीता लाल
26-9-05

(1) (2) (3) (4) (5)

गीता (लाल) देवी

विनय किशोर

7/25/05

7/25/05

26-9-2005

देवी
गीता लाल 26/9/2005

विनय किशोर लाल
26/09/2005

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.　　सत्यमेव जयते　भारत　　Rs 1000

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

<u>लेख्यधारी</u>:– श्री स्वर्ण शंकर प्रसाद, पिता का नाम स्व0 शिव शंकर प्रसाद, जाति–कायस्थ, पेशा–सरकारी नौकरी, राष्ट्रीयता–भारतीय, निवास स्थान अस्पताल रोड गोड्डा, जिला गोड्डा, हाल मोकाम निवास स्थान कडरु राँची।

<u>लेख्यप्रकार</u>:– दान पत्र **Gift**।

<u>मालियत</u> :– मोवलग 1,00,000/–एक लाख रुपया सिर्फ।

<u>मालगुजारी</u>:–मोवलग 7 सात पैसा सलाना अलावे शेष।

<u>भूस्वामी</u>:–झारखण्ड सरकार अंचल सरकार कोडरमा अन्दर नगरपालिका झुमरी तिलेया वार्ड नं0–13 तेरह तौजी नं0 28 अठाईस।

<u>सम्पति</u>:– मवाजी रकवा 8 आठ डीसमिल जमीन हकियत रैयति कायमी वो दखली वाके मौजा राजपुरा, थाना–तिलैया, थाना नं0–248 दो सौ अडतालीस, वार्ड नं0 13 तेरह, के अन्दर खाता नं0 10 दस, परगना गुमो सब रजिस्ट्री वो जिला रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा।

Ramdu Yadav

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

यह कि उपरोक्त खाते कि सम्पति की प्राप्ति मन लेख्यकारीणी के खुद नाम से बजरिये दान पत्र के द्वारा नविस्ते श्री गोकुल प्रसाद, पिता स्व0 बक्सी अमिर लाल, साकिन मौजा गुमो, थाना कोडरमा, हाल थाना तिलैया, रजिस्ट्री ऑफिस कोडरमा से हासिल किये है जिसका दस्तावेज नं0 1215 ब तारीख 2/2/1983 ई0 जिसका बुक नं0 1, भोलुम नं0 32, पेज नं0 428 से 431 तक तथा रजिस्ट्री की तैयारी की तिथि दिनांक 30/9/1983 ई0।

दान ली गई दिन तारीख से लेख्यकारी उक्त जमीन पर शान्ति पूर्वक दखलकार और होकर वो रहकर चली आती है।

सो मन लेख्यकारी दान ली गई जमीन आज दिन तारीख में लेख्यधारी के नाम से दान पत्र लिख रही है दान दी गई जमीन गैरमजूरवा नहीं है दान दी गई जमीन एन0 एच0 रोड से 500 गज की दूरी पर स्थित है दान दी गई जमीन का पूरा पूरा विवरण निचे दर्ज है।

Randu yadav

जमीन का विवरण

मौजा राजपुरा, थाना–तिलैया, थाना नं0–248 दो सौ अड़तालीस, वार्ड नं0–13 तेरह, परगना गुमो, अंचल वो जिला कोडरमा।

I अन्दर खाता नं0 10 दस।

II प्लॉट नं0 162 एक सौ बासठ। हासील रकबा 21 डी0 के मो दान रकबा 8 आठ डी0 जमीन।

जिसका हाल चौहदी:– उतर– टॉड स्व0 बुधन गोप के वारीसान दक्षिण– प्लॉट नं0 162 एक सौ बारसठ, पूरब:– प्लॉट नं0– 162 एक सौ बारसठ, पश्चिम– नीज का रास्ता, वाके है।

जमा खाता–एक, जमा प्लॉट–एक, जमा रकवा–आठ डी0 जमीन वाके है तथा लेख्यकारी और लेख्यधारी संयुक्त रुप से रास्ता का उपयोग करेगें।

विवरण:– यह कि लेख्यकारी का उम्र वृधा अवस्था का हो गया है लेख्यकारी के रिस्ते में लेख्यधारी दमाद लगता है लेख्यधारी, लेख्यकारी को बराबर सेवा टहल वो देख रेख करते रहते है जिससे लेख्यकारी काफी खुश है तथा लेख्यकारी की यह हार्दिक इच्छा हुई कि मैं अपने जीवन काल में ही अपने दमाद श्री स्वर्ण शंकर प्रसाद को मालियत 1,00,000/– एक लाख की जमीन मवाजी रकवा 8 आठ डी0 जमीन का मालिक बना दिया जिसे लेख्यधारी ने उक्त जमीन को दान लेना स्वीकार किया।

Ramdev Yadav

यह कि उपरोक्त दान संय सम्पति पर लेख्यधारी अपने भोग तसरुफ में लाया करें या जिस तरह से अपना फायदा समझे लेख्यधारी मय वारीसान अपने उपयोग में लाया करें इसमें हम लेख्यकारी मय वारीसान को किसी किस्म का कोई उजूर वो ईतराज नही है न कभी भविष्य में होगा।

आज तक जिस तरह का भी हक हिस्सा दावा दखल वो सरोकार उपरोक्त सम्पति पर लेख्यकारी मय वारीसान का था या आईन्दा होता सो कुल वजीर सह मुन्तकिल होकर लेख्यधारी मय वारीसान का हुआ लेख्यधारी अपना नाम अपने अंचल कार्यालय में अपना नाम दर्ज कराकर साल वो साल मालगुजारी अदाय कर सरकारी रसीद प्राप्त किया करें।

हम लेख्यकारी आज तारीख में राजी खुशी वो आनन्द मन से वो सोच समझ कर यह दान पत्र लेख्यधारी के नाम लिख दिया ताकि समय पर काम आवे मोकाम कोडरमा। दिनांक 26 माह सितम्बर सन् 2005 ई0।

प्रमाणित किया जाता है कि मुल दस्तावेज एवं द्वितियक प्रति एक दूसरे का हू–ब–हू और सच्ची प्रतिलिपि है। बा0 कातिब

Ramdev Yadav

लिपिकार:- विनोद कुमार ताईद ला0 न0 59/2002 ई0 मोकाम कोडरमा मैं प्रमाणित करता हूँ कि लेख्यकारी के कहे अनुसार दस्तावेज का प्रारुप तैयार कर दिया जिसे लेख्यकारी खुद पढ़कर अपने हस्ताक्षर बनाई। तथा लेख्यकारी और लेख्यधारी के बाँये हाथ का पाँचों अँगुलियों का निशान मेरे द्वारा लिया गया है। बा0 का0।

विनोद कुमार ताईद
26/9/2005

गीता लाल
26-9-05

विनोद [illegible] ताईद
L. No. 59/2002 ई0

स्वर्ण शंकर प्रसाद
26/09/2005

दाव-लेना स्वीकार किया।

स्वर्ण शंकर प्रसाद
26/09/2005

Ramdu yadav